Dr• Manoj Kumar Singh
Assistant Professor
P.G.Deptt.of Psychology
Maharaja Bahadur Ram Ran Vijay Prasad Singh college Ara
Date; 13/02/2026
Class: U.G Semester - 4th
(MJC-5)
Abnormal Psychology,

Topic -

व्यवहार आनुवंशिकी **(Behaviour Genetics)**

व्यवहार आनुवंशिकी, में व्यवहार में होने वाले उन वैयक्तिक अन्तरों का अध्ययन किया जाता है जो अंशतः आनुवंशिक कारकों के कारण होते हैं। जैसा कि हम सब जानते ही है कि मानव का सम्पूर्ण आनुवंशिक ढाँचा जो जन्मजात जीन्स (Inherited Genes) से बना होता हैं, जिसे जेनोटाईप कहते हैं एवं उसके (मानव के) सम्पूर्ण प्रेक्षणीय गुणों को फेनोटाईप कहते है। जेनोटाईप एवं फेनोटाईप में इस अंतर के आधार पर हम यह आसानी से समझ सकते हैं कि विभिन्न प्रकार के असामान्य व्यवहार का कारण जेनोटाईप की विकृति होती है। वास्तव में प्रत्येक युग्मनज में क्रोमोसोम्स की संख्या 46 होती हैं और प्रत्येक क्रोमोसोम में हजारों जीन्स होते हैं। इन्हीं जीन्सों के द्वारा माता-पिता के गुणउनकी संतानों को हस्तान्तरित होते हैं। एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में शीलगुणों का आनुवंशिक अतंरण एक जैविक प्रक्रिया है। नील एवं ओल्टामान्नस (Neil and Oltmanns) ने मनोविदलिता (सिजोफ्रेनिया) पर, पेकेल (Paykel) ने विषाद (डिप्रेशन) पर. क्लोनिंजर तथा उनके सहयोगियों ने मद्यपानता (एल्कोलिज्म) पर अध्ययन करके यह पाया कि इन मानसिक रोगों का आधार आनुवंशिक होता है। अन्य शब्दों में, ऐसे रोग उन व्यक्तियों में अधिक होते है जिनके माता-पिता या परिवार के किसी अन्य सदस्यों को वह रोग पहले हो चुका हो। मानसिक रोगों में आनुवंशिक कारकों की भूमिका को दर्शाने के लिए निम्नलिखित दो विधियों का प्रतिपादन किया गया है-

(1) पारिवारिक विधि-इस विधि में एक ही परिवार के विभिन्न सदस्यों की आपस में तुलना करके इस बात का सूक्ष्माति सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है कि यदि परिवार के किसी एक सदस्य में कोई अमुक मानसिक रोग हुआ है तो क्या दूसरे में भी उसके होने की संभावना है?

(2) जुड़वाँ अध्ययन विधि-इस विधि में जुड़वाँ बच्चों का अध्ययन करके यह तय किया जाता है कि युग्म के एक बच्चे में यदि अमुक मानसिक रोग हुआ है, तो क्या दूसरे में भी उसके लक्षण दिख रहे हैं? अध्ययन से पता चला है कि एकांकी जुड़वाँ बच्चों की आनुवंशिकता 100% समान होती है जबकि भ्रात्रीय जुड़वाँ बच्चों की आनुवंशिकता मात्र 50% समान होती है। यदि किसी मानसिक रोग की प्रवृत्ति आनुवंशिक होती है, तो एकांकी जुड़वाँ बच्चों में सुसंगतता दर भ्रात्रीय जुडवाँ बच्चों के सुसंगतता दर से अधिक ऊँची होनी चाहिए। कई अध्ययनों में एकांकी सुसंगतता दर, भ्रात्रीय सुसंगतता दर से अधिक ऊँची पाई गई है। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि मानसिक विकृतियों की उत्पत्ति में आनुवंशिक कारकों की अहम् भूमिका होती है।